हजारों बाजुओं का काफिला

(बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, चिन्तक, कवि
रिपुसूदन श्रीवास्तव केन्द्रित)

हजारों बाजुओं का काफिला

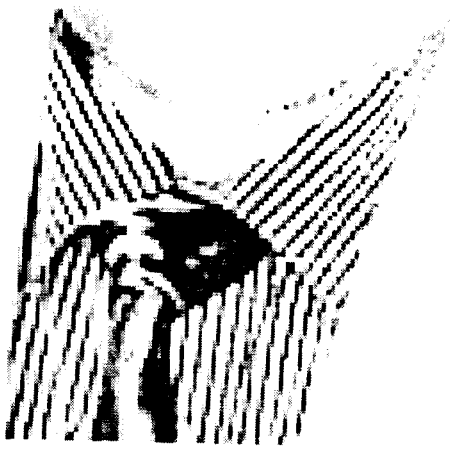

हजारों बाजुओं का काफिला

(बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, चिन्तक, कवि
रिपुसूदन श्रीवास्तव केन्द्रित)

संपादक
डॉ. सतीश कुमार राय
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
विश्वविद्यालय हिन्दी-विभाग
बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर

समीक्षा प्रकाशन
दिल्ली/मुजफ्फरपुर

ISBN : 978-93-90685-71-4

प्रथम संस्करण
2023

सर्वाधिकार ©
सम्पादक

प्रकाशक
समीक्षा प्रकाशन
जे.के.मार्केट, छोटी कल्याणी
मुजफ्फरपुर (बिहार)–842001
फोन : 09334279957, 09905292801
E-mail : samikshaprakashan@yahoo.com
www : samikshaprakashan.blogspot.com

दिल्ली कार्यालय
आर-27, रीता ब्लॉक
विकास मार्ग, शकरपुर, दिल्ली–92
मो.-08527482726

पृष्ठ-सज्जा
सतीश कुमार

मुद्रक
वी०के० ऑफसेट,
शाहदरा, दिल्ली।

मूल्य
500.00 (पाँच सौ मात्र)

Hazaron Bajuon ka Kafila

Edited by ***Dr. Satish Kumar Rai***

Rs. 500/-

अनुक्रम

सम्पादकीय.... 09

आलेख

- गुरुकल्प डॉ. रिपुसूदन श्रीवास्तव/**डॉ. सतीशचन्द्र झा**/19
- स्नेह-सान्निध्य के सैंतालिस साल/**डॉ. रवीन्द्र कुमार रवि**/22
- व्यक्तित्वांतरण का वृत्तान्त/**डॉ. रेवतीरमण**/29
- एक और विकल्प के प्रतीक पुरुष/**डॉ. रामप्रवेश सिंह**/44
- बरसो बादरवा मड़ुए के खेत में/**बुद्धिनाथ मिश्र**/48
- कवि, गीतकार और समीक्षक डॉ. श्रीवास्तव/**डॉ. रामप्रताप नीरज**/52
- एक सहज सार्थक संवाद/**डॉ. पूनम सिंह**/58
- जिन्दगी चाहने वाला मन/**डॉ. संजय पंकज**/65
- ईश्वर की अवधारणा और मनुष्य की उपस्थिति के बीच एक दोस्त-गुरु/**गीताश्री**/76
- गीतों के रजतपुष्प गूँथो तुम; एक और विकल्प/**इन्दु सिन्हा**/83
- कविता में ज़िन्दगी/**डॉ. पूनम सिन्हा**/88
- एक और विकल्प की तलाश में/**डॉ. रश्मिरेखा**/92
- जीवन-राग के गायक गीतकार/**डॉ. रवीन्द्र उपाध्याय**/97
- मध्यस्थता की वकालत/**डॉ. सुनील कुमार पाठक**/103
- गीत-संवेदना का समय और समाज : डॉ. रिपुसूदन श्रीवास्तव/ **डॉ. रणजीत पटेल**/107
- गीत और ग़ज़ल के प्रणेता : रिपुसूदन श्रीवास्तव/**डॉ. भावना**/114
- भउर में छिपल आग के गरमाहट/**भगवती प्रसाद द्विवेदी**/118
- भोजपुरी के पोढ़ काव्य-संकलन 'आग भइल जिनगी'/**डॉ. अशोक द्विवेदी**/120

- 'आग भइल जिनिगी' : भोजपुरी भाषा के अनमोल धरोहर/**डॉ. कुमार विरल**/123
- नागफनी के जंगल में भटके गुलाब सा मन/**डॉ. कुमार विरल**/131
- अनुभूतियों को गथती एक परम्परा/**अजय पाण्डेय**/137
- संघर्ष की कोख से उपजा शायर/**डॉ. पंकज कर्ण**/140
- अ.भा.भो.सा.स. का पच्चीसवाँ अधिवेशन के अध्यक्ष डॉ. रिपुसूदन श्रीवास्तव/**डॉ. ब्रजभूषण मिश्र**/145
- 'आजु के भोजपुरी साहित्य' सुविचारित निबंधन के संग्रह/**डॉ. ब्रजभूषण मिश्र**/153
- जीवन का राग गाते डॉ. रिपुसूदन श्रीवास्तव/**आरती कुमारी**/156
- जिसने रचे हैं जिन्दगी के मायने/**मीनाक्षी 'मीनल'**/164
- प्रो. (डॉ.) रिपुसूदन श्रीवास्तव : मेरे गुरु और अभिभावक/**डॉ. शैल कुमारी**/168
- आचार्य रिपुसूदन श्रीवास्तव के दार्शनिक विचारों में अध्यात्म का स्वरूप/**प्रो. गायत्री सिन्हा**/175
- दार्शनिक कवि डॉ. रिपुसूदन श्रीवास्तव/**डॉ. शारदाचरण**/180
- बहुआयामी व्यक्तित्व के एक प्रतिबद्ध योद्धा/**प्रो. सत्यनारायण श्रीवास्तव**/184
- अपने प्रिय कवि से मिलना/**रमेश ऋतंभर**/188

बकलम खुद

- मेरा प्रिय शहर ही मेरी जिन्दगी है/**डॉ. रिपुसूदन श्रीवास्तव**/192
- मॉरिशस : एक छोटा भारत/**डॉ. रिपुसूदन श्रीवास्तव**/200

साक्षात्कार

- अंतिम साँस तक युवा रहूँ/**डॉ. ममता रानी**/204
- साक्षात्कार/**डॉ. जयकांत सिंह 'जय'**/218
- साक्षात्कार/**डॉ. राजीव कुमार**/224
- प्रत्ययवाद भारतीय चिंतन की आत्मा है/**अशोक गुप्त**/232
- डॉ. रिपुसूदन श्रीवास्तव : लघु जीवन-वृत्त /243